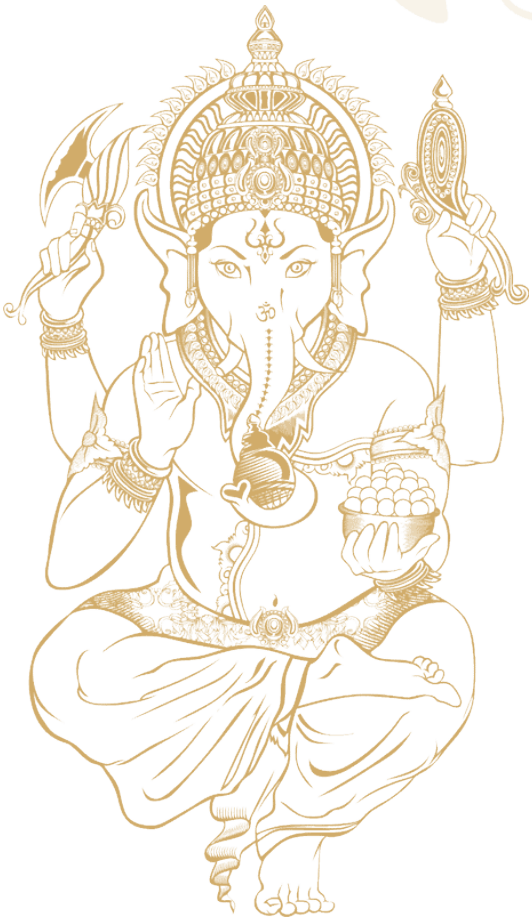

Sau.Pooja

29 Oct 1994

06:00 AM

Mokama

Model: Varshphal-2017

Order No: 119579701

तिथि 29/10/1994 **समय** 06:00:00 **वार** शनिवार **स्थान** Mokama **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:47:16
अक्षांश 25:24:00 उत्तर **रेखांश** 85:55:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:13:40 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	08:42:07 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:16:17 घं	योनि	मार्जार
सूर्योदय	05:52:22 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	17:07:40 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2051	वश्य	जलचर
शक संवत	1916	वर्ग	श्वान
मास	कार्तिक	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	9	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
नक्षत्र	आश्लेषा	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	शुक्ल	होरा	शनि
करण	गर	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
बुध 3वर्ष 4मा 1दि
सूर्य
28/02/2025
01/03/2031

सूर्य	18/06/2025
चन्द्र	17/12/2025
मंगल	24/04/2026
राहु	19/03/2027
गुरु	05/01/2028
शनि	17/12/2028
बुध	24/10/2029
केतु	28/02/2030
शुक्र	01/03/2031

योगिनी
भ्रामरी 0वर्ष 9मा 12दि
धान्या
11/08/2024
12/08/2027

धान्या	10/11/2024
भ्रामरी	12/03/2025
भद्रिका	11/08/2025
उल्का	10/02/2026
सिद्धा	11/09/2026
संकटा	12/05/2027
मंगला	12/06/2027
पिंगला	12/08/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			12:28:04	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	---	0:00			
सूर्य			11:34:05	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	नीच राशि	1.06	कलत्र	पितृ	वध
चंद्र			27:22:59	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	गुरु	स्वराशि	1.19	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल			19:10:00	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	केतु	नीच राशि	1.46	पुत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध	व		27:09:10	कन्या	चित्रा	2	मंगल	गुरु	स्वराशि	1.26	अमात्य	ज्ञाति	साधक
गुरु			27:05:38	तुला	विशाखा	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	0.95	भ्रातृ	धन	मित्र
शुक्र	व	अ	19:26:03	तुला	स्वाति	4	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण	1.14	मातृ	कलत्र	वध
शनि	व		12:00:13	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	मूलत्रिकोण	1.61	ज्ञाति	आयु	वध
राहु	व		21:03:55	तुला	विशाखा	1	गुरु	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		21:03:55	मेष	भरणी	3	शुक्र	गुरु	मित्र राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

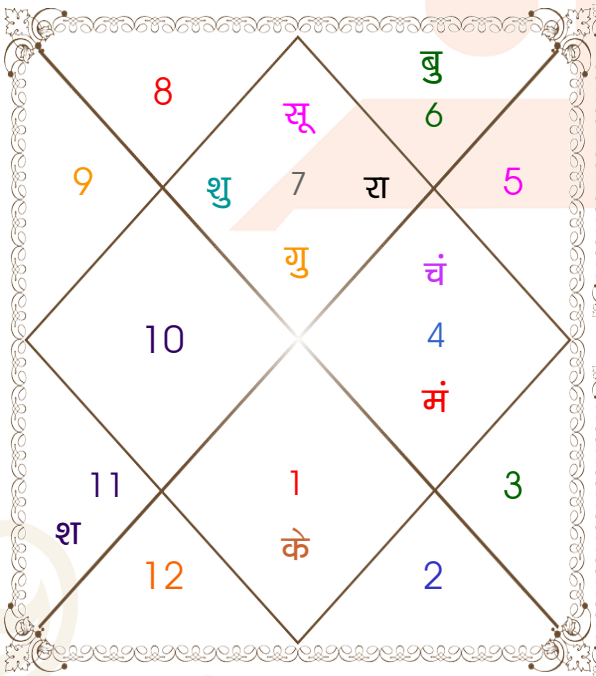

चन्द्र कुंडली

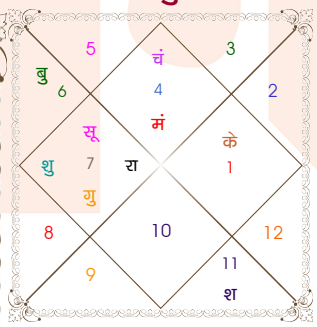

नवमांश कुंडली

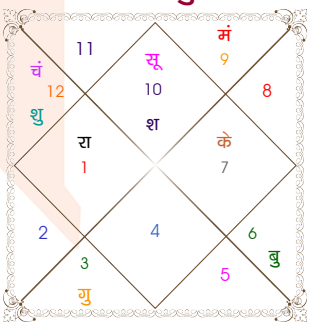

सर्वाष्टकवर्ग

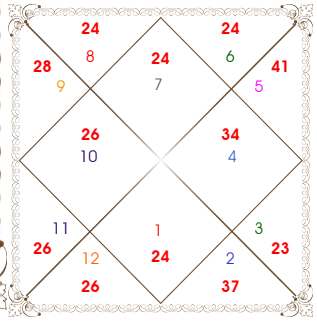

दशमांश कुंडली

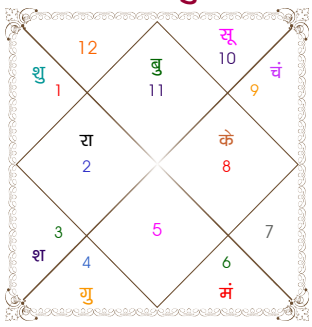

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें अधिकाशं कार्यो में आपको सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति उत्तम रहेगी तथा मन में शान्ति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। इस वर्ष में मित्र तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ अर्जित होगा तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी । साथ ही आप भी उनके हित के लिए पूर्ण तत्पर रहेंगी । इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे साथ ही वांछित भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगी । आर्थिक रूप से भी आपकी सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा ऐश्वर्य से आप सुसम्पन्न रहेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी । इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को आप प्रारम्भ करेंगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी । साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी । इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको इच्छित सम्मान प्रदान करेंगे। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी।साथ ही आपके सभी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके समस्त कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा लोग आपकी बुद्धि से प्रभावित रहेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों में भी इस समय आप पूर्ण रूप से प्रवृत रहेंगी तथा विधिपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता तथा उन्नति प्राप्त करेंगे ।साथ ही इस समय पुत्र संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। साथ ही आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी अतः रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी या नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे जिससे आपको महत्वपूर्ण लाभ की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त होता रहेगा एवं आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी।इसके अतिरिक्त पति, पुत्र, मित्र तथा संबधियों आदि से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी तथा सुख की अनुभूति करेंगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक एवं मानसिक रूप से इस वर्ष में आप स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त रहेंगी तथा अपने समस्त सांसारिक महत्व के शुभ कार्यो को उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। साथ ही इन कार्यो में आप इच्छित सफलता भी प्राप्त करेंगी। जिससे मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस समय संबधियों एवं मित्रों आदि से भी आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समय समय पर लाभ भी होता रहेगा। आप भी उनके हितकार्यो के साधन में तत्पर रहेंगी जिससे आपसी संबधों में मधुरता का भाव विद्यमान रहेगा। आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगी। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भौतिक सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापार में इस समय आप प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी जिससे व्यापार में लाभ तथा उन्नति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी इस समय प्रारंभ हो सकता है। इस समय राजनैतिक व्यक्तियों या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी तथा अन्यत्र भी इनसे लाभ एवं सहयोग आपको मिलता रहेगा । राज्य या सरकार से इस समय आपको सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगी। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रथम मास

29/10/2025 04:36:18 से 28/11/2025 00:25:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	23:50:18
सूर्य		तुला	स्वाति	11:34:05
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:17:03
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	01:05:24
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	05:16:12
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:37:32
शुक्र		कन्या	चित्रा	24:33:05
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:43:20
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:47:45
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:47:45
मुंथा		वृष	रोहिणी	12:28:04

मासाधिपति

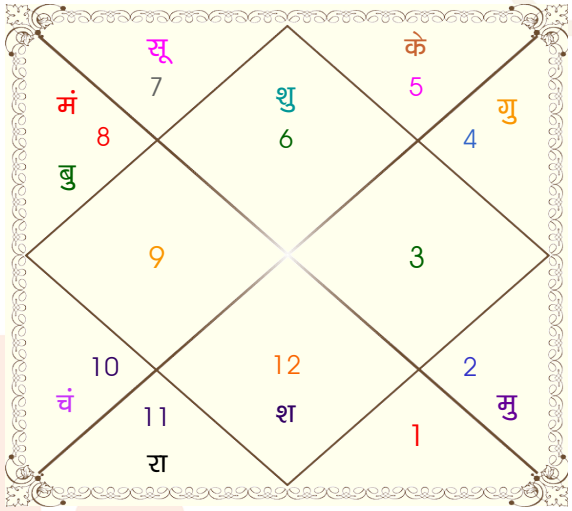

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आप लाभार्जन करने में पूर्ण सफल रहेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगी एवं इनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं श्रद्धापूर्वक आप इनका सम्मान एवं पूजन करेंगी। इस मास में आपको समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी तथा भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यो में भी सफलता मिलेगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी तथा मित्र एवं सम्बन्धियों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र सम्मान एवं यश प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा संतति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा स्वर्णादि के आभूषण से भी सुशोभित हो सकती हैं। अतः इससे आपको पूर्ण रूप से मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

28/11/2025 00:25:59 से 27/12/2025 12:55:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:54:47
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	11:34:05
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:58
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:41:53
बुध	व	तुला	विशाखा	26:50:14
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:30:05
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	01:56:28
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:16
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:07:18
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:07:18
मुंथा		वृष	रोहिणी	14:58:04

मासाधिपति

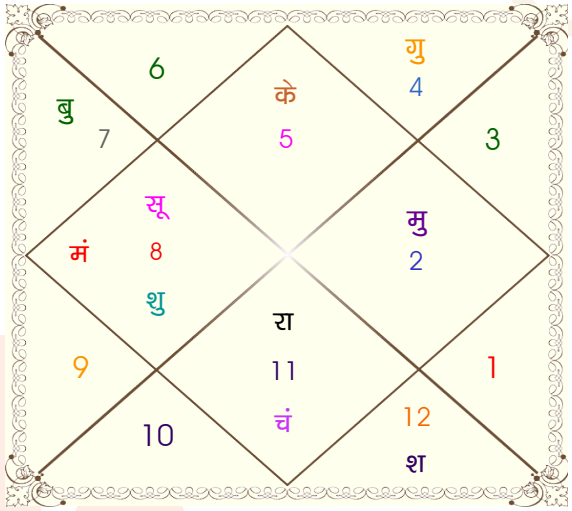

मासाधिपति : सूर्य

आप इस मास में शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा मान एवं प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी एवं वे आपसे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों की भलाई के कार्यों को भी आप यत्नपूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा उनसे यथोचित सम्मान एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी साथ ही आपके परस्पर सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा इनकी सेवा एवं पूजन में तत्पर रहेंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठत एवं सम्माननीया रहेंगी इसके अतिरिक्त आपकी अधिकांश असफल आशाएं भी इस समय पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः वायु से उत्पन्न रोगों से पीड़ित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः बुद्धिमता से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
27/12/2025 12:55:35 से 25/01/2026 23:50:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	07:01:04
सूर्य		धनु	मूल	11:34:05
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:26:33
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:52:47
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:20:32
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:44:13
शुक्र		धनु	मूल	09:04:57
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:41:23
राहु		कुम्भ	शतभिषा	17:02:16
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:16
मुंथा		वृष	रोहिणी	17:28:04

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

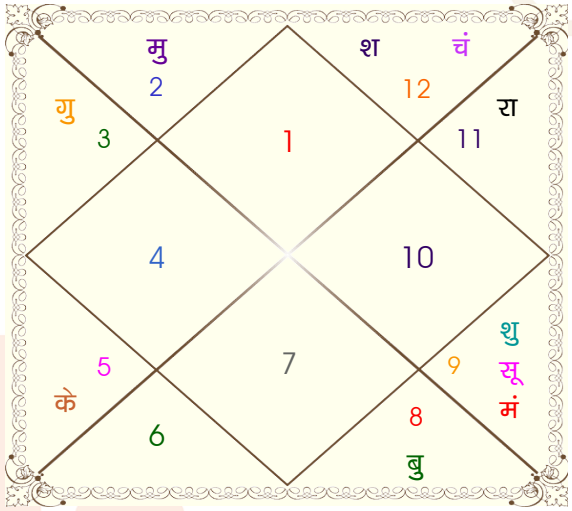

इस मास में आप अपने उत्साह एवं परिश्रम द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा समाज से यश एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। बन्धु वर्ग एवं मित्रों से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा वे लोग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में प्रयोग करेंगी तथा शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगी। आपके शत्रु इस समय आपसे कमजोर रहेंगे अतः उन्हें पराजित करने में आप सफल रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा व्यापारादि कार्यों में भी आप उचित लाभार्जन करके धन प्राप्त करेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभ लाभदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पुरुष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इसक अतिरिक्त समाजिक जनों के मध्य भी आप माननीया समझी जाएंगी।

चतुर्थ मास
25/01/2026 23:50:33 से 24/02/2026 15:18:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	08:09:01
सूर्य		मकर	श्रवण	11:34:05
चन्द्र		मेष	अश्विनी	05:55:38
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:37:53
बुध		मकर	श्रवण	14:22:09
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:52:09
शुक्र		मकर	श्रवण	16:07:34
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:49:26
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:11:58
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:11:58
मुंथा		वृष	रोहिणी	19:58:04

मासाधिपति

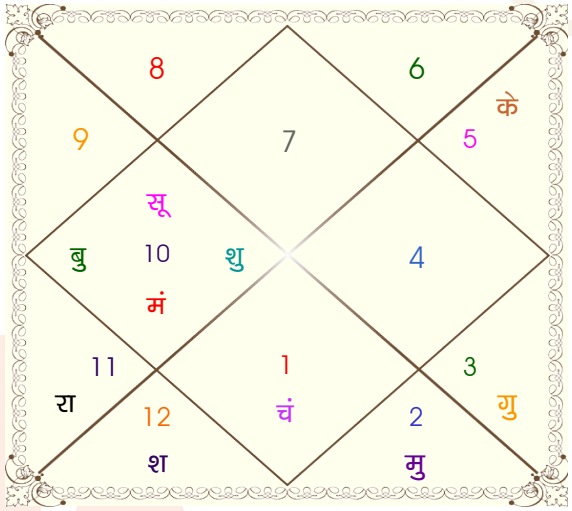

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप शत्रुओं से अत्यंत ही भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं मानसिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। साथ ही इस समय आपका धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे सामान्य आर्थिक संकट भी रहेगा। धर्म के प्रति भी आपकी इस मास में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप दुर्बलता की भी अनुभूति करेंगी। इस मास में घर से दूर किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में विध्न बाधाएं अधिक मात्रा में आएंगी फलतः परिश्रम करने पर भी कार्यों में अल्प सिद्धि ही प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर ही समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से अस्वस्थ रहेंगी तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिसके कारण बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा इससे आपकी समाजिक रूप से अवमानना भी हो सकती है। इसके साथ ही अग्नि के द्वारा भी आपकी धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास
24/02/2026 15:18:51 से 26/03/2026 16:23:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	10:19:59
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	11:34:05
चन्द्र		वृष	रोहिणी	10:06:58
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	00:54:07
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:03:08
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:13:02
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:15:46
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:57:28
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:21
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:21
मुंथा		वृष	रोहिणी	22:28:04

मासाधिपति

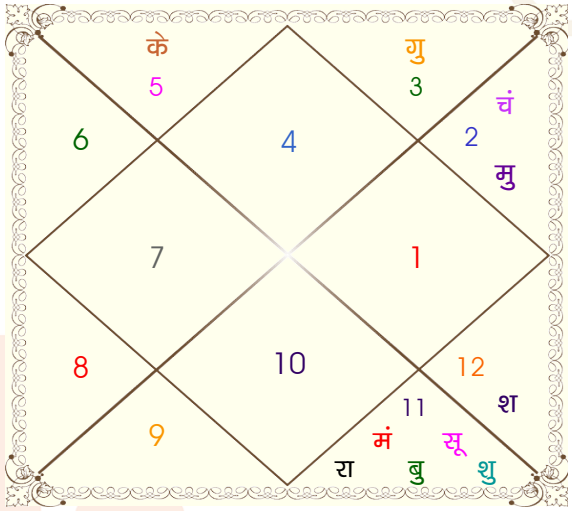

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय उत्तम रहेगा तथा मन में भी पूर्ण शान्ति रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आप रूचिशील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आप उचित सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी तथा उनका पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगी जिससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी अपूर्ण मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा उचित धन लाभ एवं सुखार्जन करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का आयोजन भी कर सकती हैं।

षष्ठ मास

26/03/2026 16:23:31 से 26/04/2026 05:44:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:37:15
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	11:34:05
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:02:39
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:32:55
बुध		कुम्भ	शतभिषा	15:42:53
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:14:22
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:34:42
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:37:51
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:29:11
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:29:11
मुंथा		वृष	मृगशिरा	24:58:04

मासाधिपति

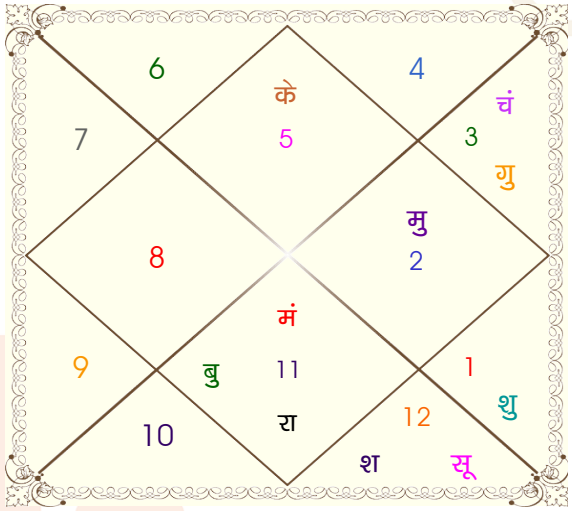

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सफलता तथा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा अपने वरिष्ठ सहयोगी एवं उच्चाधिकारी वर्ग को सन्तुष्ट तथा प्रभावित करने में सफल रहेंगी साथ ही पदोन्नति भी प्राप्त कर सकेंगी। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी साथ ही उनकी भलाई के लिए कार्य करने में भी आप तत्पर रहेंगी। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा उनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी फैलेगी एवं अन्य प्रकार से भी आप लाभ अर्जित करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस महीने में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकती हैं।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण इच्छाएं भी इस समय पूर्ण होंगी। इस प्रकार धन तथा सुख का उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक आपका यह मास व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
26/04/2026 05:44:45 से 27/05/2026 06:49:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	19:41:29
सूर्य		मेष	अश्विनी	11:34:05
चन्द्र		सिंह	मघा	05:19:21
मंगल		मीन	रेवती	18:18:57
बुध		मीन	रेवती	22:47:46
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:01:07
शुक्र		वृष	कृतिका	08:00:42
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:20:59
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:08:05
केतु		सिंह	मघा	13:08:05
मुंथा		वृष	मृगशिरा	27:28:04

मासाधिपति

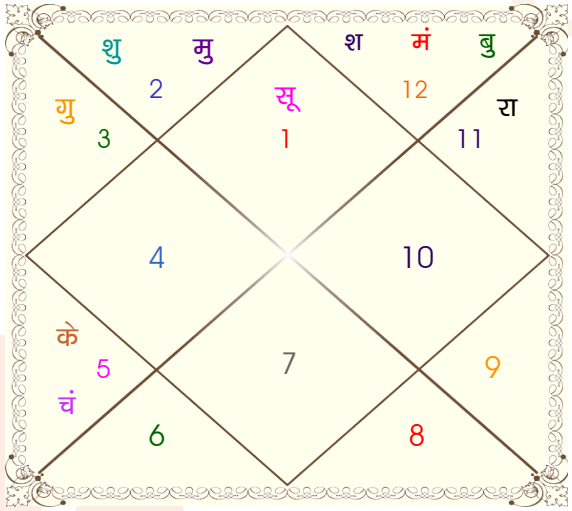

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अधिकाशं रूप से शुभ फलों को ही प्राप्त करेंगी तथापि अल्प मात्रा सें अशुभ फल प्राप्त होंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस मास में समाज बन्धु तथा मित्रों के मध्य भी आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा इनसे आपके संबध भी मधुर रहेंगे। साथ ही इनसे वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित सहयोग तथा सम्मान अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आप मिष्ठान का उपभोग इस मास में अधिक मात्रा में करेंगी परन्तु स्वास्थ्य मध्यम ही रहेगा। इस मास में शत्रु वर्ग को पराजित तथा भयभीत करने में आप सफल मानी जाएंगी। साथ ही पति से भी आप मनोवांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त व्यापार या अन्य कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में समर्थ रहेगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप गर्मी या पित्तोत्पन्न रोगों से शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा अपने कार्य कलापों को भी सावधानी पूर्वक सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
27/05/2026 06:49:02 से 27/06/2026 15:45:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	07:45:39
सूर्य		वृष	रोहिणी	11:34:05
चन्द्र		कन्या	चित्रा	23:46:52
मंगल		मेष	अश्विनी	11:51:23
बुध		वृष	मृगशिरा	25:52:20
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:55:18
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:18:48
शनि		मीन	रेवती	17:35:08
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:20:03
केतु	व	सिंह	मघा	10:20:03
मुंथा		वृष	मृगशिरा	29:58:04

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

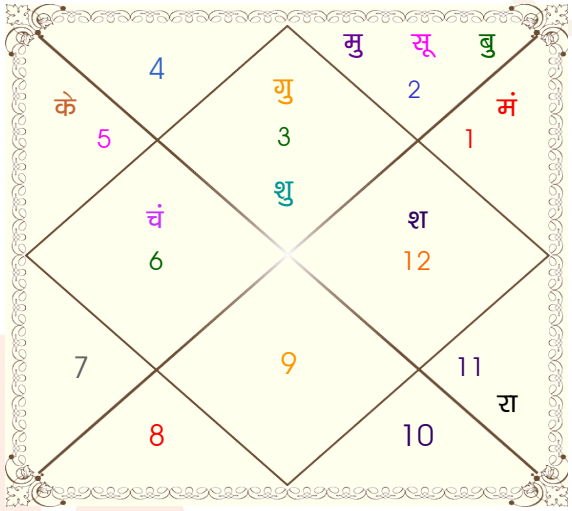

इस महीने में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक होगा तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपका मेल जोल रहेगा जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।साथ ही धनाभाव की समस्या भी उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप बैचेन तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बन सकते है। इस मास में आपके मित्र तथा बन्धुवर्ग से अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। फलतः कष्ट पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी।

नवम् मास
27/06/2026 15:45:48 से 29/07/2026 02:25:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	03:39:36
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	11:34:05
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	13:29:24
मंगल		वृष	कृतिका	04:46:56
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:49:24
गुरु		कर्क	पुष्य	05:10:15
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	21:54:00
शनि		मीन	रेवती	19:47:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:12:17
केतु	व	सिंह	मघा	07:12:17
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	02:28:04

मासाधिपति

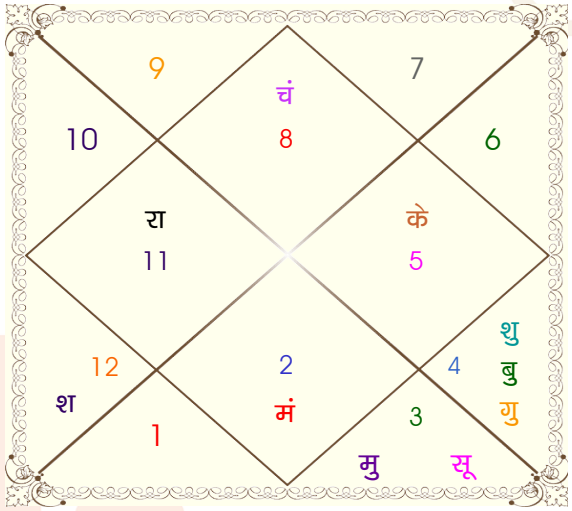

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। अतः शत्रु पक्ष से आप दुःखी रहेंगी एवं उनसे चिन्तित तथा भयभीत भी रहेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे धनाभाव से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस समय कई प्रकार से बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा कार्यो में सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्यतया उपेक्षा का ही भाव विद्यमान रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आप दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में आप परिश्रमपूर्वक सफलता प्राप्त करेंगी तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त एवं असन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपको पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा एवं बुद्धिबल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगी।

दशम् मास
29/07/2026 02:25:29 से 29/08/2026 08:07:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	04:06:57
सूर्य		कर्क	पुष्य	11:34:05
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:19:33
मंगल		वृष	मृगशिरा	26:43:06
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:16:15
गुरु		कर्क	पुष्य	12:02:18
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:33:35
शनि	व	मीन	रेवती	20:30:56
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:39:06
केतु	व	सिंह	मघा	05:39:06
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	04:58:04

मासाधिपति

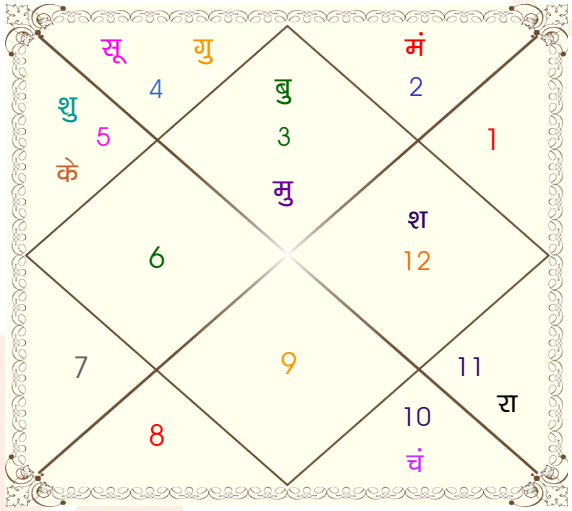

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः आपके शत्रु आपसे पराजित तथा भयभीत रहेंगे तथा अन्य लोग भी आपका सम्मान करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होगा जिससे आप अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके अधिकाशं सांसारिक कार्य इस समय सम्पन्न होंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं लोगों से यथोचित सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप वातोत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास

29/08/2026 08:07:48 से 29/09/2026 03:41:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	17:13:39
सूर्य		सिंह	मघा	11:34:05
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:39:15
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	17:19:21
बुध		सिंह	मघा	12:56:43
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:51:28
शुक्र		कन्या	चित्रा	26:34:55
शनि	व	मीन	रेवती	19:36:21
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:22
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:22
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	07:28:04

मासाधिपति

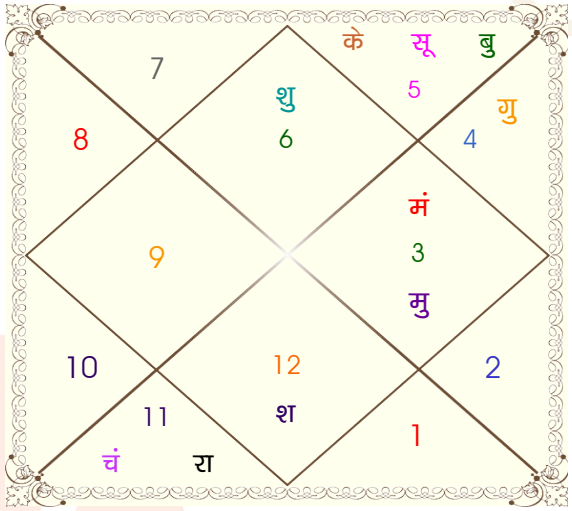

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास में आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य इसी समय सम्पन्न हो जाएंगे एवं इनसे आप इच्छित लाभ भी अर्जित करेंगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में अनन्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए उद्यत रहेंगी। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगी तथा समाज एवं परिवार के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अलावा इस मास में आपके मानसिक संकल्प भी सिद्ध होंगे जिससे आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। अतः आप गर्मी या पितोत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रूधिर विकार की संभावना रहेगी। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

29/09/2026 03:41:33 से 29/10/2026 10:50:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:36:43
सूर्य		कन्या	हस्त	11:34:05
चन्द्र		मेष	अश्विनी	10:10:47
मंगल		कर्क	पुष्य	06:14:30
बुध		तुला	चित्रा	03:39:15
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:59:02
शुक्र		तुला	स्वाति	13:53:46
शनि	व	मीन	रेवती	17:30:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:05:50
केतु	व	सिंह	मघा	05:05:50
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:58:04

मासाधिपति

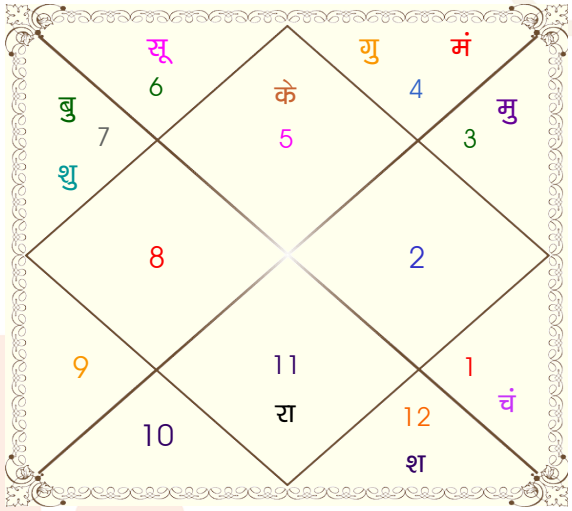

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सम्पन्न हो जाएंगे। इससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न तथा सन्तुप्ट रहेंगी। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप रूचि शील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग का आपको सहयोग प्राप्त होगा तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस समय आपको मनोच्छित पदार्थो की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिंत रहेंगी तथा समाज में सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए कार्य भी इसी मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस समय शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत तथा वातोत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार क्षति हो सकती है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।